थारा धर्म हिन्दूओं बह ज्यागा मेरी आंख्यां के पानी में

थारा धर्म हिन्दूओं बह ज्यागा,
मेरी आंख्यां के पानी में।bd।

कदे पूजें थे घर घर में,
आज पड़ग्या फर्क कदर में,
देई बणा बख्त अन्यायी ने,
दर दर ठोकर खाणी में,
थारां धर्म हिन्दूओं बह ज्यागा,
मेरी आंख्यां के पानी में।bd।

स्वार्थ में डूबते जारे,
संस्कार भूलगे सारे,
कदे करके सेवा देख लियो,
सूं कितनी कल्याणी में,
थारां धर्म हिन्दूओं बह ज्यागा,
मेरी आंख्यां के पानी में।bd।

सुणो कृष्ण जी के प्यारों,
ना मान गऊ का मारो,
उस कृष्ण जी गिरधारी ने,
खूद अपनी मां जाणी में,
थारां धर्म हिन्दूओं बह ज्यागा,
मेरी आंख्यां के पानी में।bd।

गुरु ओमप्रकाश समझावै,
प्रचार गऊ का चाहवै,
कागसरिए आनंद न्यारा सै,
तेरी कोयल सी बाणी में,
थारां धर्म हिन्दूओं बह ज्यागा,
मेरी आंख्यां के पानी में।bd।

थारा धर्म हिन्दूओं बह ज्यागा,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

– गायक / लेखक / प्रेषक –
रामधन गोस्वामी
9991051392

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com